जम्मू और कश्मीर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से जमा राशि का निकाला जाना

1228. डा. रत्नाकर पाण्डेय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जम्मू-काश्मीर में अलगावादी गतिविधियों के कारण स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में जमा किया हुआ अपना धन निकालना शुरू कर दिया है ; और

(ख) यदि हां, तो स्थिति से निपटने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख) सूचित किया गया है कि कश्मीर घाटी में स्थित राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं से निकासियां की गई हैं । तथापि जम्मू और कश्मीर बैंक लि० की जमा रकमों में वृद्धि हुई है । सुरक्षा वातावरण में सुधार हो जाने के बाद जमा राशियों की स्थिति में भी सुधार आने की सम्भावना है ।

Small Industries Development Bank of India

1229. DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the representatives of the village and small industries at a meeting with him held on the 8th February, 1990, explained the difficulties being experienced by them for not making the Small Industries Development Bank of India operational yet; and

(b) if so, by when it will be made operational and what precise pattern is contemplated for the Bank to be able to reach the village and small industries in remote areas of the country?

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) Yes, Sir.

(b) Small Industries Development Bank of India Act, 1989 has come into force with effect from 7th March, 1990. The Small Industries Development Bank of India (SIDBI) will start its operations from 2nd April, 1990. SIDBI will take over the activities of IDBI relating to small scale sector and will *inter-alia* operate the refinance scheme through the existing primary ending agencies viz., State Financial Corporations (SFCs), Commercial Banks, Cooperative Banks and Regional Rural Banks which have large net work of branches through out the country.

निदेशक, लेखा परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय नई दिल्ली के कार्यालय में कम्प्यूटर का लगाया जाना

1230. श्रीमती सत्या बहिन : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या निदेशक, लेखा परीक्षक प्रथम एवं द्वितीय, नई दिल्ली के कार्यालय में कोई कम्प्यूटर लगाया गया है ; यदि हां, तो कब और इसके लगाने में कुल कितनी राशि व्यय हुई है ;

(ख) क्या उक्त कार्यालयों में कम्प्यूटर संबंधी सारा कार्य इन्हीं कम्प्यूटरों द्वारा किया जा रहा है ; और

(ग) क्या कम्प्यूटर संबंधी कार्य किसी बाहरी एजेंसी द्वारा भी भुगतान पर कराया जा रहा है ; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा बाहरी एजेंसियों द्वारा कराये जाने वाले कम्प्यूटर कार्य पर प्रति वर्ष, व्यय की जाने वाली धनराशि का ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) प्रधान निदेशक, लेखा-परीक्षा–I, केन्द्रीय राजस्व और प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा–ii केन्द्रीय राजस्व के कार्यालयों में वर्ड प्रोसेसर क्रमशः अगस्त, 1986 और

मार्च, 1989 में लगाए गए थे । इन्हें लगाने में क्रमश: 55,063/- रु० तथा 76,518/- रु० व्यय हुआ ।

(ख) और (ग) इन वर्ड प्रोसेसरों का कुछ कार्यों को करने के लिए उत्तरोत्तर उपयोग किया जा रहा है । तथापि संगणीकृत वेतन पत्रकों (पे-रोल्स) से संबंधित कुछ कार्य को रेल इण्डिया इको नोमिक एण्ड टेक्नीकल सर्विसिज (भारत-सरकार का एक उद्यम) के जरिए किया जा रहा है । प्रधान निदेशक, लेखा-परीक्षा I, केन्द्रीय राजस्व द्वारा 1987–88 और 1988–89 के वर्षों के दौरान इस संबंध में किया गया व्यय क्रमश: 67,575/- रु० तथा 90,918/- रु० था । प्रधान निदेशक लेखा-परीक्षा-II केन्द्रीय राजस्व ने सितम्बर, 1989 से आज तक कुल 26,543/- रु० व्यय किए हैं ।

निदेशक, लेखा परीक्षा, नई दिल्ली द्वारा विभागीय पत्रिका का प्रकाशन

1231. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निदेशक, लेखा परीक्षा, नई दिल्ली ने किसी विभागीय पत्रिका का प्रकाशन एवं मुद्रण आरम्भ किया ; यदि हां, तो कब से ;

(ख) इस पत्रिका की प्रसार संख्या और इस पत्रिका के प्रकाशन व मुद्रण, पर प्रति वर्ष होने वाले कुल व्यय का ब्यौरा क्या है तथा उक्त पत्रिका की एक प्रति का मूल्य क्या है ; और

(ग) उक्त पत्रिका के प्रकाशन व मुद्रण का कार्य किसी एजेन्सी द्वारा कराया जा रहा है ?

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) से (ग) अपेक्षित सूचना नीचे दी गई है :—

(1) **प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा I केंद्रीय राजस्व ।**

हिन्दी पत्रिका "निर्झर" जो हर छ: माह पश्चात् मुद्रित की जाती है, का प्रकाशन जनवरी, 1986 में प्रारंभ हुआ था और इसे भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग के सभी कार्यालयों, हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्यों, प्रमुख लेखकों तथा अंशदाताओं को परिचालित किया जाता है ।

यह पत्रिका साइक्लोस्टाइल प्रकाशन के रूप में शुरु की गई थी । 1988 से आगे हर छ: माह में 500 प्रतियां मुद्रित की जाती हैं ।

इन तीन अंकों के मुद्रण पर हुआ व्यय निम्नलिखित था :—

1988–89 (2 अंक) 27,950/-रु०

1989–90 (1 अंक) 23,347/-रु०

यह पत्रिका समूल्य प्रकाशन नहीं है ।

इसका मुद्रण संजय प्रिंटर्स गाजियाबाद, में किया जाता है तथा प्रकाशन निदेशक लेखा परीक्षा I के कार्यालय, केंद्रीय राजस्व द्वारा किया जाता है ।

(ii) **प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा, अर्थ एवं सेवा ।**

हिन्दी पत्रिका "नव इन्द्रप्रस्थ" वर्ष 1987–88 की अंतिम तिमाही से प्रकाशित की जा रही है । इस पत्रिका की प्रति तिमाही 250 प्रतियां प्रकाशित की जाती हैं और ये कार्यालय के सदस्यों तथा सहयोगी लेखा परीक्षा और लेखा कार्यालयों को भी परिचालित की जा रही हैं । इसके प्रकाशन पर अब तक 10,632/- रु० की राशि खर्च की जा चुकी है । यह पत्रिका निःशुल्क है और इसका मुद्रण मैसर्स समीरा प्रिंटिंग प्रेस, वृष्ण नगर दिल्ली-51 में किया जाता है ।

नई दिल्ली में कोई अन्य लेखा-परीक्षा कार्यालय कोई विभागीय पत्रिका प्रकाशित नहीं कर रहा है ।

भारतीय दूतावासों व उच्चायोगों पर व्यय हुई राशि की लेखा परीक्षा

1232. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय दूतावासों एंव उच्चायोगों पर व्यय की गई राशि की